Worksheet - 2

Subject: - Hindi Class: - IV Teacher: - Ms. Jitender Kaur

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. ____ Date: __.04.2020

िंग	
पश्चिषा - पुरुष ज्ञात या व	स्त्री जाति का छोद्य काराने बले
हिन्दी नाषा में लिंग	की दो अदि होते हैं-
Alcais)	क्त्रीलिंग
1. प्राल्लेंग - जो श्राप्य प्रकाप ज कहलाते हैं ; जैसे - प्रकाप ,	नात का बीध काराते हैं, वे प्राल्वंग काण, पिता, मीर, बीर, पराड़ आदि।
a. रत्रीलंग - जो 2104 स्त्री जाति कारताते हैं; असे - स्त्री, माता,	का बोध कराते हैं, वे क्सीलंग मोर्सनी, गांग, पहाड़ी, पुस्तक, नदी अपि
नीचे किये किंग कार्यों को	थाय कोरं औन इनका अभ्यास कोरं
माटलंग स्प्रीलंग ।	पुल्लंग क्योहिंग
हात्रा हात्रा	वीर वीक्राना
लड़का लड़की	गायका गायका
चाचा चाची ।	पुत्री आदमी ज्ञाबित
शाजा वाली	विद्वान विदुषी
दादा दादी	ज़ाहमण ज़ाहमणी

अञ्च । -	प्राल्लंग और स्त्रीलिंग हाल्यों के जोड़े खनहर
	वीर नर, कवि, बूढ़ा, रेम्डानी, मीर, सेंड, नारी, बुढ़िया, मीरनी, कवियमी, वीयांगना
	प्राल्तम क्योपमी, वीरांगा। पुल्लंग क्योतिंग
	31casi oranical
भ्रवन व -	वैक्वांकित काळहें के लिंग व्यक्तिर वाक्यों को दोबारा निर्वर-
а.	एक लड़का नदी में कूद पड़ा।
न्य:	घोड़ा बहुत तेज़ दें। इं।
ग्रा.	मेरा पुत्र बहुत बुद्धिमान है।
घ	मेरी दादी अन्दी चुड़रावार थी।
3.	तात्र विद्यालय जा वहा है।